राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
(मध्यप्रदेश का तकनीकी विश्वविद्यालय)
एयरपोर्ट बायपास रोड, भोपाल

रैंगिग की रोकथाम हेतु दिये गये सुझाव एव अन्य बिन्दु

1. महाविद्यालय मे विभिन्न स्थानों पर रैंगिग रोकने संबंधी विश्वविद्यालय, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, मानव अधिकार आयोग के दिशा निर्देशों की प्रतिलिपियां चस्पा की जाय।
2. महाविद्यालय स्तर पर रैंगिग रोकने हेतु पोस्टर एव स्लोगन प्रतियोगिताओ का आयोजन किया जाय।
3. महाविद्यालय की एंटी रैंगिग कमेटी के सदस्यों के नाम एवं उनके फोन न सूचना पटल पर अंकित किये जाये।
4. महाविद्यालय के समस्त छात्रों को पहचान पत्र दिये जाय।
5. महाविद्यालय के छात्र/छात्राओं हेतु किसी भी प्रकार का ड्रेस कोड लागू न किया जाय।
6. महाविद्यालय के वरिष्ठ छात्रो को इस बात से अवगत कराया जाय कि यदि वह रैंगिग करते पाये जाते है तो उन्हे कैम्पस सिलेक्शन से वंचित कर दिया जायेगा।
7. छात्रावासो मे रात में हॉस्टल वार्डन और पुलिस बल के द्वारा आकस्मिक निरीक्षण करने रैंगिग की प्रथा को रोका जा सकता है। महाविद्यालय की सीमा के ढाबों आदि पर विशेष निगाह रखी जाय जिससे कि कनिष्ठ छात्रों की दूरस्थ स्थानों पर हो रही रैंगिग को रोका जा सके।
8. कनिष्ठ छात्रों में विश्वास जगाया जाय और यदि उन्हें रैंगिग के लिए बुलाया जाता है तो वे इसकी सूचना महाविद्यालय के प्राचार्य को दें एवं एंटी रैंगिग कमेटी के टेलीफोन नंबर नोटिस बोर्ड पर भी प्रदर्शित किये जायें ताकि छात्र रैंगिग की स्थिति में कमेटी के सदस्यों से संपर्क कर सके।
9. महाविद्यालयो का आकस्मिक निरीक्षण का भी उल्लेख किया गया है, ताकि महाविद्यालय प्रशासन भी रैंगिग की रोकथाम के लिये सतत जागरूक रहें।
10. रैंगिग की कुप्रथा से ध्यान हटाने के लिये छात्रों को वर्ष भर व्यस्त रखा जाना चाहिये। इसके लिये छात्रों की बौद्धिक एवं शारीरिक गतिविधियां वर्ष भर संचालित की जानी चाहिये। ताकि उनका ध्यान रैंगिग जैसी कुप्रथा से हटाया जा सके।
11. विभिन्न इजीनियरिंग महाविद्यालयों में प्रथम वर्ष के छात्र विशेष यूनिफार्म आदि पहनते हैं जिसे रोका जाना चाहिये इस संबंध में प्राचार्यो से निवेदन किया जाय कि वे यह सुनिश्चित करे कि प्रथम वर्ष के छात्र किसी भी प्रकार की विशेष यूनीफार्म न पहने साथ न ही किसी विशेष प्रकार की पहचान को धारण करें। जिससे कि प्रथम वर्ष के छात्र अलग से पहचाने जा सके। यथा बालों की कटिंग, जूते, मोजे, लड़कियों के प्रकरण में दुपट्टे की विशिष्ट स्टाइल, विशेष रंग की हेयर क्लिप आदि।
12. इस संबंध में विभिन्न महाविद्यालयों में विभिन्न प्रकार की कमेटी बनाई गई हैं परन्तु इसके बाद भी रैंगिग की घटनाएं हो रही हैं अतः जो सिस्टम महाविद्यालयों द्वारा बनाया गया है वह कार्य नहीं कर रही है अतः यह सुनिश्चित किया जाय कि वह सिस्टम 'प्रभावी' रूप से कार्य करे।
13. वरिष्ठ एव कनिष्ठ छात्रों की काउसलिंग की जाये तथा ऐसे अनौपचारिक कार्यक्रम आयोजित किये जाये जिसमे कि वरिष्ठ एवं कनिष्ठ छात्रो को आपस में इटरेक्शन एवं अनौपचारिक बातचीत का अवसर मिले।
14. प्रथम वर्ष के कनिष्ठ छात्रों के लिये पृथक छात्रावास की व्यवस्था की जाये एव वहा सुरक्षा की पूर्ण व्यवस्था हो ताकि वहां पर वरिष्ठ छात्र बिना अनुमति या बिना किसी कारण के प्रवेश न कर सकें। यहा यह भी सावधानी रखी जाये कि छात्रों के लिये छात्रावास जेल जैसे नहीं बन जाये।

Generated by CamScanner from intsig.com

साथ ही रात्रि में या किसी भी अन्य समय प्राध्यापकों के एक समूह द्वारा औचक निरीक्षण (..) किये जाये।

15. जूनियर छात्रों के साथ उनके शिक्षकों का अच्छा इंटरेक्शन हो जिसके कि वे उनसे अनौपचारिक बातचीत में उनकी समस्याओं को जान सकें। क्योंकि सीधे रैगिंग के बारे में प्रश्न पूछे जाने पर सामान्यतः छात्र मना कर देते हैं अतः उनमें बातों बातों में सही स्थिति पूछी जानी चाहिये एवं उन्हें विश्वास में लेकर पूछताछ की जाये। इस हेतु "ट्यूटर–गार्जीयन" की व्यवस्था प्रभावी ढंग से लागू की जानी चाहिये।

16. रैगिंग की छोटी सी भी घटना ही बडी घटना का कारण बनती है अतः संस्था प्रशासन को किसी भी घटना को नजरअंदाज (इग्नौर) नही करना चाहिये एवं कडी एवं तत्काल कार्यवाही निरपक्ष एवं पारदर्शी तरीको से की जानी चाहिए। **सामान्यतः यह ध्यान में आया है कि इस प्रकार की घटनाओं पर संस्था प्रशासन केवल थोडी सी समझाईश देकर छोड़ देता है इससे छात्रों में रैगिंग के विरूद्ध जो भय होना चाहिये वह नहीं रहता है** साथ ही संस्था प्रशासन अपने यहा भी कमेटिया से जांच आदि करता है एवं थोडी भी कार्यवाही के बाद छात्रों को छोड दिया जाता है अतः अपेक्षित है कि हर घटना पुलिस प्रशासन को सूचित की जाना चाहिये एवं पुलिस अपने विवेक से कार्यवाही करेगी।

17. संभागायुक्त महोदय द्वारा यह स्पष्ट कहा गया है कि किसी भी प्रकार की रैगिंग की घटना के लिये उस संस्था के प्राचार्य, निदेशक जिम्मेदार होंगे। अतः किसी भी संस्था में यह सुनिश्चित किया जाना चाहिये कि वहा रैगिंग नहीं हो रही है एवं यदि कोई घटना संस्था प्रशासन की जानकारी में आती है तो उसकी जानकारी पुलिस एवं प्रशासन को दी जाये।

18. ऐसे जूनियर छात्र जो कि छात्रावासो में न रहकर कहीं अन्य जगह कमरा किराये पर लेकर रहते हैं वहा संस्था के प्राध्यापको के द्वारा कम से कम सात दिनों में एक बार जाकर उनसे कमरो का औचक (सरप्राइज) निरीक्षण किया जाये ताकि वरिष्ठ छात्रों में यह डर बना रहे कि कमरो पर भी प्राध्यापक आकर निरीक्षण करते हैं।

19. महाविद्यालय भवन, पुस्तकालय, छात्रावासों में शिकायत पेटी लगाई जायें जिसमें छात्र अपनी समस्याये आदि लिखकर डाल सकें। उन शिकायत पेटियों को सप्ताह में एक प्राध्यापकों की एक समिति द्वारा खोला जाये एवं प्राप्त पत्रों पर कार्यवाही की जाय तथा यह सुनिश्चित किया जाय कि अगर किसी छात्र ने नाम लिखा है तो उसमें शिकायतकर्ता के नाम की गोपनीयता बनायी रखी जाये।

20. छात्रावास के बाहर रहने वाले एवं ट्रेन से अप--डाउन करने वाले विद्यार्थियो की पते सहित सूची क्रमशः संबंधित पुलिस एवं जी आर पी (रेल्वे थाने) थानों में की जाये।

21. समस्त द्वितीय वर्ष एवं आगे की कक्षाओं के वरिष्ठ छात्रों से उन्हे रैगिंग संबंधित प्रावधानों दिशा निर्देशो की जानकारी है तत्संबंधी वचनपत्र भरवाया जाय तथा उन्हे स्पष्ट कहा जाय कि यदि कोई घटना आपके द्वारा घटित होती है तो कड़ी कार्यवाही की जायेगी।

22. अगर छात्रावास से संस्था के भवन की दूरी अधिक है तो जूनियर छात्रों को संस्था से छात्रावास तक लेकर आने के लिये किसी जिम्मेदार व्यक्ति की डयूटी लगायी जाये यही प्रक्रिया वापस लौटने के समय भी अपनायी जाये।

Generated by CamScanner from intsig.com

RAJIV GANDHI PROUDYOGI[redacted]AVIDYALAYA
(University of Technology of Madhya Pradesh)
Airport Bypass, Gandhi Nagar,
Bhopal - 462036, M.P.

Tel : 0755 - 2734913
Fax : 0755 - 2742006

F-1/RGPV/2007/2411, 01/08/07

To,

The Director / Principal
of all Colleges
affiliated to RGPV.

IMPORTENT

SUB. : Preventing Ragging in the Institutions.

Dear Principal,

You are already aware that the ragging menace in the colleges is causing a serious concern and requires effective measures to correct the prevailing situation. In this connection, the Government as well as the University are very much keen and are of firm opinion to maintain the law and order in the colleges. University feels ragging cannot be cured merely by making it a cognizable criminal offence, moreover, the acts of indiscipline and misbehavior on the part of the students must primarily be dealt with within the Insitution and by exercise of the disciplinary authority of the teachers over the students and of the management of the Institutions over the teachers and students. Students ought not ordinarily be subjected to police action unless it be unavoidable. The students going to educational institutions for learning should not remain under constant fear of being dealt with by police and sent to jail and face the courts. But the same time they are to be deterred from taking law in their own hands. The faith in the teachers for the purpose of maintaining discipline shouid be restored and the responsibility fixed by emphasizing the same.

Failure to prevent ragging shall be construed as an act of negligence in maintaining discipline in the institution on the part of the management, the principal and the persons in authority of the institution. Similar responsibility shall be liable to be fixed on hostel wardens/superintendents. However, the guidelines issued by the Supreme Court vide Writ Petition (Civil) No. 656 of 1998 are reproduced below for your guidance and appropriate action in this regard.

I) **Broadly speaking Ragging is :**

Any disorderly conduct whether by words spoken or written or by an act which has the effect of teasing, treating or handling with rudeness any other student, indulging in rowdy or undisciplined activities which causes or is likely to cause annoyance, hardship or psychological harm or to raise fear or apprehension thereof in a fresher or a junior student or asking the students to do any act or perform something which such student will not do in the ordinary course and which has the effect of causing or generating a sense of shame or embarrassment so as to adversely affect the physique of a fresher or a junior student.

II) The cause of indulging in ragging is deriving a sadistic pleasure or showing off power, authority or superiority by the seniors over their juniors or freshers.

Generated by CamScanner from intsig.com

III) **Ragging can be stopped by creating awareness amongst the students**, teachers and parents that ragging is a reprehensible act which does no good to any one and by simultaneously generating an atmosphere of discipline by sending a clear message that no act of ragging shall be tolerated and any act of ragging shall not go unnoticed and unpunished.

IV) Anti-ragging movement should be initiated by the institutions right from the time of advertisement for admissions. The prospectus, the form for admission and/or any other literature issued to aspirants for admission must clearly mention that ragging is banned in the institution and any one indulging in ragging is likely to be punished appropriately which include expulsion from the institution, suspension from the institution classes for a limited period or fine with a public apology. The punishment may also take the shape of : (i) withholding scholarships or other benefits (ii) debarring from representation in events (iii) withholding results (iv) suspension or expulsion from hostel or mess, and the like. If there be any legislation governing ragging or any provisions in the Statute/Ordinance they should be brought to the notice of the students/ parents seeking admissions.

V) The application form for admission/enrolment shall have a printed undertaking to be filled and signed by the candidate to the effect that he/she is aware of the institution's approach towards ragging and the punishments to which he or she shall be liable if found guilty of ragging. A similar undertaking shall be obtained from the parent/guardian of the applicant.

VI) The Institutions who are introducing the system as mentioned in the point above for the first time shall ensure that the undertakings should be obtained from the students and their parents/guardians already studying in the institutions before the commencement of the next educational year/session.

VII) A printed layout detailing the address, telephone number of person to whom freshers should contact for information help & guidance for various purposes, so that freshers need not look up to the seniors for help in such matters and feel indebted to or obliged by them

VIII) The management, the principal, the teaching staff should interact with freshers and take them in confidence by apprising them of their rights as well as obligation to fight against ragging and to generate confidence in their mind that any instance of ragging to which they are subjected or which comes in their knowledge should forthwith be brought to their knowledge so that it could be promptly dealt. It would be better if the head of the institution or a person high in authority addresses meetings of teachers, parents and students collectively or in groups in this behalf.

IX) At the commencement of the academic session, the institution should constitute a proctorial committee consisting of senior faculty members and hostel authorities like wardens and a few responsible senior students :

1) to keep continuous watch and vigil over ragging so as to prevent its occurrence and recurrence.
2) To promptly deal with the incidents of ragging brought to its notice and summarily punish the guilty either by itself or by putting forth its finding/recommendation/suggestions before the authority competent to take decision.

All vulnerable locations shall be identified and specially watched.

X) The local community and the students in particular must be made aware of dehumanizing effect of ragging inherent in its perversity. Posters, notice boards and sign-boards wherever necessary, may be used for purpose.

Generated by CamScanner from intsig.com

XI) The hostels/accommodations where freshers are accommodated shall be carefully guarded, if necessary by posting security personnel, and placed incharge of a warden/superintendent who should himself/herself reside thereat, and wherein the entry of seniors and outsiders shall be prohibited after specified hour of night and before except under the permission of the person incharge. Entry at other times may also be regulated.

XII) If the individuals committing or abetting ragging are not identified collective punishment could be resorted to act as a deterrent punishment and to ensure collective pressure on the potential raggers.

XIII) Migration certificate issued by the institution should have an entry apart from that of general conduct and behavior whether the student has participated in and in particular was punished for ragging.

XIV) If an institution fails to curb ragging, the AICTE/Funding Agency may consider stoppage of financial assistance to such an institution till such time as it achieves the same. **This University may consider disaffiliating a college or institution failing to curb ragging.**

XV) The institution shall at a reasonable time before the commencement of an academic year, and therefore at such frequent intervals as may be expedient deliberate over and devise such positive and constructive activities to be arranged by involving the students generally so that the seniors and juniors and the existing students and the freshers, interact with each other in a healthy atmosphere and develop a friendly relationship so as to behave like members of a family in an institution. Seniors or juniors should be encouraged to exhibit their talents in such events so as to shed their complexes.

We make it clear that these guidelines are only illustrative and are not intended to come in the way of the institutions and authorities devising ways and means to curb the ragging. If there are local laws governing ragging they shall be implemented and knowledge and information about such laws shall also be disseminated. Ragging if it becomes unmanageable or amounts to a cognizable offence the same may be reported to the police. However, the police should be called in or allowed to enter in the campus at the presence of the head of the institution or the person incharge of the concerned institution.

I trust you will take necessary measures as suggested above and will make out efforts to prevent ragging in your institution. For further details and quarries please contact to our **Dean Student Welfare Dr. Sudhir Sharma, RGPV, Bhopal, Tel. 0755-2678870**

With best wishes.

Registrar